आधुनिक विश्व के इतिहास पर प्रकाश

---

1. भूमिका :

आधुनिक विश्व का इतिहास लगभग 15वीं शताब्दी के अंत से प्रारंभ होता है, जब यूरोप में पुनर्जागरण (Renaissance), धर्मसुधार (Reformation), और भौगोलिक खोजों (Geographical Discoveries) की घटनाओं ने पुराने मध्यकालीन समाज को बदल डाला। यह काल मानव स्वतंत्रता, विज्ञान, तर्क, और नए राजनीतिक-सामाजिक ढाँचों के विकास का युग था।

---

2. आधुनिक विश्व इतिहास के प्रमुख चरण :

(क) पुनर्जागरण काल (14वीं–16वीं शताब्दी)

केंद्र: इटली (फ्लोरेंस, वेनिस, रोम)।

मुख्य विशेषताएँ:

प्राचीन ग्रीक-रोमन ज्ञान का पुनर्जागरण।

कला, साहित्य, विज्ञान और मानववाद (Humanism) का विकास।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व: लियोनार्डो दा विंची, माइकेलएंजेलो, दांते, पेट्रार्क आदि।

महत्व: इस युग ने मनुष्य को 'ईश्वर का दास' नहीं बल्कि 'सृजनशील प्राणी' के रूप में देखने की प्रेरणा दी।

(ख) धर्मसुधार आंदोलन (Reformation, 16वीं शताब्दी)

आरंभ: मार्टिन लूथर (1517 ई.) ने जर्मनी में चर्च की कुरीतियों का विरोध किया।

परिणाम:

प्रोटेस्टेंट धर्म का उदय।

कैथोलिक चर्च की शक्ति कमजोर पड़ी।

धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत आस्था का महत्व बढ़ा।

(ग) भौगोलिक खोजें और उपनिवेशवाद (15वीं–18वीं शताब्दी)

प्रमुख खोजें:

कोलंबस (अमेरिका, 1492),

वास्को-डी-गामा (भारत, 1498),

मैगेलन (विश्व-परिक्रमा, 1519)।

परिणाम:

यूरोपीय साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का आरंभ।

विश्व व्यापार, दास प्रथा और धन-संचय में वृद्धि।

एशिया, अफ्रीका और अमेरिका यूरोपीय शक्तियों के अधीन हुए।

(घ) वैज्ञानिक क्रांति और प्रबोधन (17वीं–18वीं शताब्दी)

वैज्ञानिक क्रांति: कोपरनिकस, गैलीलियो, न्यूटन जैसे वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक नियमों की खोज कर मानव सोच को बदला।

प्रबोधन युग (Enlightenment):

विचारक: वोल्तेयर, रूसो, मांतेस्क्यू, लॉक।

विचार: तर्क, समानता, स्वतंत्रता, मानवाधिकार।

इन विचारों ने आगे चलकर फ्रांसीसी क्रांति (1789) को जन्म दिया।

(ङ) औद्योगिक क्रांति (18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में)

प्रारंभ: इंग्लैंड में।

मुख्य विशेषताएँ: मशीनों, कोयला-लौह उद्योग, रेल, और कारखानों का विकास।

परिणाम:

उत्पादन में वृद्धि, नगरीकरण, पूंजीवाद का विस्तार।

श्रमिक वर्ग (working class) का उदय।

सामाजिक असमानता और शोषण ने समाजवादी विचारधारा को जन्म दिया।

(च) राजनीतिक क्रांतियाँ और राष्ट्रीयता (18वीं–19वीं शताब्दी)

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम (1776) – लोकतंत्र और मानवाधिकार की मिसाल।

फ्रांसीसी क्रांति (1789) – स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का नारा।

लैटिन अमेरिकी क्रांतियाँ, इटली व जर्मनी का एकीकरण – राष्ट्रीय चेतना की विजय।

(छ) साम्राज्यवाद और विश्व युद्ध (19वीं–20वीं शताब्दी)

यूरोपीय राष्ट्रों ने एशिया व अफ्रीका को उपनिवेश बना लिया।

औद्योगिक देशों में बाजार की होड़ ने संघर्ष को जन्म दिया।

प्रथम विश्व युद्ध (1914–1918) और द्वितीय विश्व युद्ध (1939–1945) ने पूरे विश्व को झकझोर दिया।

युद्धों के परिणामस्वरूप:

उपनिवेशवाद का अंत।

संयुक्त राष्ट्र संघ (UN) की स्थापना।

शीत युद्ध (Cold War) का दौर प्रारंभ।

(ज) शीत युद्ध काल (1945–1991)

मुख्य पक्ष: अमेरिका (पूंजीवादी) बनाम सोवियत संघ (समाजवादी)।

घटनाएँ: NATO और Warsaw Pact का गठन, कोरिया व वियतनाम युद्ध, अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा।

समाप्ति: 1991 में सोवियत संघ का विघटन।

(झ) समकालीन विश्व (1991 के बाद)

वैश्वीकरण, सूचना क्रांति और उदारीकरण का युग।

अमेरिका का एकध्रुवीय वर्चस्व, चीन का उदय, और एशिया-अफ्रीका में नई शक्तियों का उभरना।

आतंकवाद, पर्यावरण संकट, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई चुनौतियाँ।

---

3. निष्कर्ष :

आधुनिक विश्व का इतिहास मानव चेतना की प्रगति का इतिहास है — जहाँ व्यक्ति, समाज और राष्ट्र स्वतंत्रता, समानता और वैज्ञानिक सोच की ओर अग्रसर हुए। यह इतिहास साम्राज्य से लोकतंत्र, अंधविश्वास से तर्क, और स्थानीयता से वैश्विकता की ओर यात्रा का प्रतीक है।